गरवी गुजरात

RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 154
दि. 03.10.2025,
शुक्रवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विजयादशमी (दशहरा) पर्व के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विजयादशमी का पर्व अधर्म पर धर्म, बुराई पर अच्छाई और असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है। इस दिन भगवान श्रीराम ने अधर्म, असत्य एवं बुराई के प्रतीक रावण का संहार किया था। सम्पूर्ण भारत में यह पर्व परम्परागत श्रद्धाभाव एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है।

मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम मयार्दा, सत्य, न्याय, शांति, परोपकार और लोक कल्याण के पर्याय हैं। नैतिक, मानवीय और सामाजिक मूल्यों के प्रतीक मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का जीवन सद्मार्ग पर चलने एवं आदर्श जीवन जीने की प्रेरणा प्रदान करता है।

पीएम मोदी के साथ बैठक आसान, यूरोपीय नेताओं से नहीं'; नीदरलैंड की कंपनी ने ईयू की नीतियों पर उठाए सवाल

ब्रसेल्स, (जीएनएस)।

भारत ने हाल ही में सेमीकंडक्टर निर्माण में बड़ा कदम बढ़ाया है। पिछले महीने पीएम मोदी को देश में बनी पहली चिप सौंपी गई। दिसंबर 2021 में मोदी सरकार ने 76,000 करोड़ रुपये के निवेश के साथ इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन की शुरूआत की थी।

नीदरलैंड की दिग्गज सेमीकंडक्टर कंपनी एएसएमएल के वरिष्ठ अधिकारी फ्रैंक हेम्सकर्क ने यूरोपीय संघ (ईयू) की नीतियों पर सवाल उठाए। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ दो घंटे की मुलाकात को याद करते हुए हेम्सकर्क ने कहा कि यूरोपीय कंपनियों को ईयू के नेताओं से मिलना बेहद कठिन होता है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी और व्हाइट हाउस के अधिकारियों के साथ बैठक करना आसान है, लेकिन यूरोपीय नेताओं से नहीं।

ब्रसेल्स में आयोजित पोलिटिको के प्रतिस्पर्धी यूरोप शिखर सम्मेलन में

हेम्सकर्क ने कहा, कंपनी के सीईओ क्रिस्टोफ फौक्वेट की प्रधानमंत्री मोदी से घंटे तक मुलाकात हुई। डेढ़ घंटे तक हमारी बातें सुनने के बाद पीएम मोदी ने कहा कि आप बहुत विनम्र हो, बताइए हम क्या बेहतर कर सकते हैं। एएसएमएल में ग्लोबल पब्लिक अफेयर्स के कार्यकारी उपाध्यक्ष हेम्सकर्क ने कहा, व्हाइट हाउस में किसी वरिष्ठ अधिकारी से मिलना हो, वो ज्यादा आसान है, लेकिन इसके उलट यूरोपीय संघ की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और दूसरे नेताओं से मिलना बेहद कठिन है। यूरोपीय नेताओं को उन कंपनियों के साथ बैठना चाहिए, जो बड़े पैमाने पर निवेश कर रही हैं। हेम्सकर्क ने हाल ही में फ्रांस की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कंपनी मिस्ट्राल के साथ एएसएमएल की 1.3 अरब यूरो की डील का भी जिक्र किया, जिसे यूरोप की तकनीकी स्वतंत्रता की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। हीम्सकर्क ने बताया कि दोनों कंपनियां औद्योगिक एआई पर केंद्रित हैं, न कि भू-राजनीति पर।

भारत ने हाल ही में सेमीकंडक्टर निर्माण में बड़ा कदम बढ़ाया है। पिछले महीने पीएम मोदी को देश में बनी पहली चिप सौंपी गई। दिसंबर 2021 में मोदी सरकार ने 76,000 करोड़ रुपये के निवेश के साथ इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन की शुरूआत की थी।

सीएम योगी के नेतृत्व में निकाली गई विजयादशमी की शोभा यात्रा, कहा- हर काम देश के नाम

गोरखपुरः (जीएनएस)।

सत्य, न्याय और धर्म की विजय प्रतिष्ठा के पावन महापर्व विजयदशमी के अवसर पर गुरुवार शाम गोरखनाथ मंदिर से, गोरक्षपीठाधीश्वर की पारंपरिक विजय शोभायात्रा आस्था के उल्लास, उमंग-तरंग की लहरों पर सवार होकर निकली. शोभायात्रा के रास्ते में सर्वसमाज की तरफ से हुई अगवानी, गोरक्षपीठ के मार्गदर्शन में सामाजिक ताने-बाने की मजबूती का संदेश दे रही थी.

अल्पसंख्यक समुदाय ने दिखाया उत्साहः गोरक्षपीठाधीश्वर के रूप में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई वाली इस शोभायात्रा का अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों ने भी जबरदस्त उत्साह से स्वागत किया. पारंपरिक परिधान में शोभायात्रा की अगुवाई कर रहे गोरक्षपीठाधीश्वर का मुस्लिम और सिंधी समाज के साथ ही सर्वसमाज के लोगों ने भव्य स्वागत किया. पीठाधीश्वर योगी ने उन्हें आशीर्वाद दिया, मंगलमय जीवन की कामना की और शारदीय नवरात्र अनुष्ठान का प्रसाद दिया.

नाथ संप्रदाय की प्रमुख अनुष्ठान है विजयदशमी की शोभायात्राः गुरुवार को इस पावन पर्व पर शाम करीब सवा चार बजे से गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भव्य शोभायात्रा निकाली गई. शिवावतार महायोगी गुरु गोरखनाथ का पूजन कर और उनका आशीर्वाद लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ रथ रूपी विशेष वाहन में सवार हुए.

हनुमान दल ने दिखाया हैरतंगेज करतबः इस दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम थे. नाथपंथ के विशेष वाद्ययंत्र नागफनी, तुरही, नगाड़े, डमरू व बैंड बाजे की धुन और श्रीश्री हनुमान दल के बालकों के हैरतंगेज करतब के बीच शोभायात्रा आगे बढ़ी. पूरे रास्ते दोनों किनारे पर श्रद्धा से भाव विभोर लोग गोरक्षपीठाधीश्वर की एक झलक पाने को आतुर दिखे.

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने गांधी जयंती के उपलक्ष्य में खादी की खरीदारी की

मुख्यमंत्री ने 'खादी फॉर नेशन, खादी फॉर फैशन' तथा ह्वोकल फॉर लोकल' के अभियान को वेग दिया

गांधीनगर, 02 अक्टूबर:

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल गुरुवार को गांधी जयंती के उपलक्ष्य में अहमदाबाद के थलतेज क्षेत्र में खादी की खरीदारी कर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रेरित ह्यखादी फॉर नेशन, खादी फॉर फैशन' के अभियान में सहभागी हुए।

श्री पटेल ने स्वदेशी की प्रतीक समान खादी की खरीदारी कर ह्वोकल फॉर लोकल' तथा ह्यआत्मनिर्भर भारत' के सूत्रों को साकार करने की दिशा में अपना योगदान अर्पित किया।

उन्होंने थलतेज क्षेत्र में स्थित भारत खादी ग्रामोद्योग संघ की इकाई यश खादी एम्पोरियम तथा सिंधु भवन रोड पर स्थित खादी इंडिया की इकाई ओम खादी से अपने लिए खादी की खरीदारी की।

इस अवसर पर उप महापौर श्री जतिनभाई पटेल, मनपा स्थायी समिति के अध्यक्ष श्री देवांगभाई दाणी सहित मनपा सदस्य तथा शहर भाजपा अग्रणी उपस्थित रहे।

भारत और चीन के बीच हुआ समझौता, कब शुरू हो रही डायरेक्ट फ्लाइट?

भारत और चीन के बीच सीधी यात्री उड़ानें अक्टूबर 2025 के अंत तक फिर से शुरू होने जा रही हैं। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को इस बात की घोषणा की, जो दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों में सामान्य स्थिति बहाल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि दोनों देश इस साल की शुरूआत से सीधी हवाई सेवाओं को फिर से शुरू करने और हवाई सेवा समझौते को संशोधित करने के लिए तकनीकी स्तर की बातचीत कर रहे थे, जिस पर अब सहमति बन गई है।

दिल्ली में बारिश से दशहरा उत्सव में पड़ा खलल: प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह नहीं कर पाए रावण दहन

(जीएनएस)।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बृहस्पतिवार को कई स्थानों पर बारिश के कारण दशहरा उत्सव में खलल पड़ा। बारिश से रावण के पुतले भीग गए और इस वजह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के कार्यक्रमों को रद्द करना पड़ा। अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी को इंद्रप्रस्थ रामलीला कमेटी द्वारा आयोजित ह्यरावण दहन' कार्यक्रम में शामिल होना था, जिसे अचानक भारी बारिश के कारण रद्द कर दिया गया, जबकि अमित शाह बारिश के कारण पीतमपुरा में एक कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके।

इंद्रप्रस्थ रामलीला कमेटी के अध्यक्ष सुरेश बिंदल ने बताया , ह्यह्यबारिश के कारण प्रधानमंत्री समारोह में शामिल नहीं हो सके। बारिश के कारण पुतलों को नुकसान पहुंचा, जिनका (पुतलों का) बाद में केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, विधायक अरविंदर सिंह लवली और अन्य लोगों की मौजूदगी में दहन किया गया।''

आयोजकों ने बताया कि जिस मैदान में रामलीला का आयोजन हो

रहा था, वहां पानी भर गया था। उन्होंने बताया कि भारी बारिश के कारण अमित शाह पीतमपुरा के नेताजी सुभाष प्लेस स्थित डीडीए ग्राउंड में केशव रामलीला समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह बाद में पुतला दहन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

केशव रामलीला समिति के अध्यक्ष अशोक गोयल देवराहा ने बताया कि वे शाह से अगले वर्ष मंच पर आने और पुतला दहन करने का अनुरोध करेंगे।

दिल्ली के उत्तर, उत्तर-पश्चिम, मध्य और पश्चिमी दिल्ली के कुछ हिस्सों में बृहस्पतिवार को भारी बारिश हुई।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, शाम 5:30 बजे तक पीतमपुरा स्थित मौसम निगरानी केंद्र ने 17.5 मिमी बारिश दर्ज की, रिज स्थित केंद्र ने 15.4 मिमी जबकि मयूर विहार केंद्र ने 9.5 मिमी बारिश दर्ज की गई।

अशोक विहार स्थित आदर्श रामलीला कमेटी के एक सदस्य ने बताया कि भारी बारिश के कारण उन्हें रावण के पुतले को बचाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी।

उन्होंने कहा, हम बड़ी मुश्किल से इसे प्लास्टिक से ढक पाए, लेकिन फिर भी इसका अधिकांश हिस्सा भीग गया। पुतले पर पेट्रोल और डीजल डालकर उसे जलाने की कोशिश की गई लेकिन इसमें आग नहीं लग रही थी।''

पीतमपुरा के आर्यन हेरिटेज फाउंडेशन के अनिल गर्ग ने बताया, ह्यह्यपुतले का 10 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा भीग गया था क्योंकि हमने बाकी हिस्से को प्लास्टिक से ढक दिया था। पूजा में देरी हुई। जलभराव की समस्या भी थी। लेकिन सब कुछ भगवान की इच्छा से होता है, और हम बस यही उम्मीद करते हैं कि दहन अच्छे से हो और पुतले में आग लग जाए।''

पूर्वी दिल्ली स्थित हनुमंत धार्मिक रामलीला कमेटी के कोषाध्यक्ष नितिन गुप्ता ने कहा, ह्यह्यबारिश हमारे लिए बहुत बड़ा झटका थी, जिससे हमारी तैयारियां धरी की धरी रह गईं। पुतले का एक बड़ा हिस्सा भीग गया, लेकिन बाकी हिस्से को हमने प्लास्टिक की चादरों से ढककर किसी तरह बचा लिया। ''

जेएनयू में दुर्गा मूर्ति विसर्जन और रावण दहन के दौरान चले जूते-चप्पल, शरजील और उमर खालित का चेहरा लगाने पर बवाल

(जीएनएस)।

दिल्ली के प्रतिष्ठित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में पहले मां दुर्गा की मूर्ति विजर्सजन के दौरान वामपंथी नेताओं ने जूते, चप्पल और लड़की के ब्लॉक फेंके। इसके बाद गुरुवार की रात रावण दहन कार्यक्रम के दौरान अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) और वामपंथी छात्रों के बीच जमकर बवाल हुआ।

इस घटना के बाद एबीवीपी ने वामपंथी छात्रों पर कार्यक्रम बाधित करने और जूते फेंकने का आरोप लगाया, जबकि जेएनयू छात्रसंघ (जेएनयूएसयू) ने एबीवीपी पर धर्म का राजनीतिकरण करने का पलटवार किया है।

पहले गुरुवार शाम विजयादशमी पर दुर्गा पूजा मूर्ति विसर्जन यात्रा के दौरान कैंपस में तनाव उस समय बढ़ गया जब अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने वामपंथी छात्र संगठनों पर

गंभीर आरोप लगाए। एबीवीपी के अनुसार, वामपंथी छात्रों ने दुर्गा पूजा विसर्जन जुलूस पर लकड़ी के ब्लॉक फेंके और कुछ छात्राओं के साथ मारपीट भी की

यह घटना शाम लगभग 7 बजे जेएनयू के साबरमती टी-पॉइंट के पास हुई। एबीवीपी ने आरोप लगाया है कि AISA, SFI और DSF जैसे वामपंथी छात्र संगठन इस हिंसा में शामिल थे।

विवाद की जड़ रावण दहन से जुड़ी है, जिसे एबीवीपी छात्रों ने बराक हॉस्टल में आयोजित किया था। इस रावण के पुतले पर शरजील इमाम और उमर खालिद के चेहरे लगाए गए थे, जिसके बाद वामपंथी संगठनों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। यह विरोध प्रदर्शन बाद में साबरमती टी-पॉइंट तक पहुंचा, जहाँ से दुर्गा पूजा जुलूस को गुजरना था।

जैसे ही जुलूस वहाँ पहुंचा, दोनों गुटों में झड़पें हुईं। एबीवीपी का दावा है कि वामपंथी छात्रों ने जुलूस के दौरान चप्पलें भी दिखाईं। इस साल रावण दहन के दौरान नक्सलवाद, वामपंथ, माओवादी हिंसा और राष्ट्र-विरोधी विचारधाराओं को प्रतीकात्मक रूप से जलाया गया था।

'आरएसएस के लोग संविधान नहीं मानते', अंग्रेजो से लेते थे पेंशन', सपा विधायक अबू आजमी के फिर बिगड़े बोल

(जीएनएस)।

समाजवादी पार्टी के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष और विधायक अबू कासिम आजमी ने 2 अक्ट्रबर को गांधी जयंती के अवसर पर दिए गए बयान से नया विवाद खड़ा हो गया है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद अबू आजमी ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर जमकर हमला बोलते हुए अजीब बयान दे डाला है।

सपा विधायक आजमी ने कार्यक्रम में दावा किया कि भारत देश की आजादी में आरएसस का कोई योगदान नहीं रहा है। उन्होंने आ'ान किया कि इस सच्चाई को आज की युवा पीढ़ी के बताना बहुत जरूरी है।

१२२

न्यूज एजेंसी एएनआई से खास बातचीत में आजमी ने आगे कहा, "नए जमाने के बच्चों को यह बताना चाहिए कि हमारा देश कैसे आजाद हुआ और देश की आजादी में किन लोगों ने कुबार्नी दी। इससे सच्चाई उनके सामने आएगी और नफरत फैलाने वाले लोगों का पदार्फाश होगा।"

RSS संविधान नहीं मानता, वर्षो तक झंडा नहीं फहराया

आरएसएस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, "आरएसएस के लोग संविधान को नहीं मानते हैं। इन्होंने कई सालों तक तिरंगा नहीं फहराया। ये लोग पूरे देश को एक ही रंग में रंगना चाहते हैं। आज हर बच्चे को संविधान पढ़ने की जरूरत है, ताकि देश में अमन और शांति कायम हो सके।"

RSS के लोगों को अंग्रेजों से पेंशन मिलती थी

आजमी ने यह भी दावा किया कि आरएसएस के लोगों को अंग्रेजों से पेंशन मिलती थी। उन्होंने कहा, "हमने इतिहास में पढ़ा है कि जब आरएसएस के लोग जेल में बंद थे, तो वे अंग्रेजों को चिट्ठी लिखकर यह कहते थे कि उन्हें छोड़ दिया जाए, ताकि वे गांधीजी के स्वदेशी आंदोलन को खत्म कर सकें।" उन्होंने सवाल उठाया, "इन लोगों का भारत की आजादी में क्या योगदान है? यह सच आज के लोगों को बताना बहुत जरूरी है।"

बीजेपी जो भी काम करेगी, वह...

अबू आजमी ने बीजेपी पर हमला बोलते हुए कहा, "बीजेपी जो भी काम करेगी, वह मुसलमानों के खिलाफ ही होगा। उन्होंने एक भी मुस्लिम को टिकट नहीं दिया और न ही किसी मुस्लिम को मंत्री बनाया। मुसलमानों के खिलाफ जहर घोला जा रहा है।"

दुनिया तरक्की कर रही हम हिंदू-मुसलमान...

अबू आजमी ने आधुनिक शिक्षा की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा, "आज दुनिया तरक्की कर रही है, लेकिन हम आज भी हिंदू-मुस्लिम के मुद्दों में उलझे हुए हैं, जिससे नफरत बढ़ रही है।

सम्पादकीय

एशिया कप में टीम इंडिया के ट्राफी न लेने के फैसले का पूरे देश ने तहेदिल से स्वागत किया

एशिया कप में भारत की बादशाहत बरकरार रही। रविवार को दुबई में खचाखच भरे स्टेडियम में टीम इंडिया ने पाक को पांच विकेट से हराकर नौवीं बार एशिया कप अपने नाम किया। यह मैच जितना रोमांचक फील्ड पर था उतना ही रोमांचक मैच खत्म होने के बाद रहा। कांटे का मुकाबला देखने को मिला। आखिरी ओवर तक यह नहीं पता लग रहा था कि जीत किसकी होगी? इस मुकाबले में पाकिस्तान ने इस एशिया कप की सबसे शानदार ओपनिंग की। पाकिस्तान का एक समय में 113 रन पर सिर्प एक विकेट थी। लेकिन अंतिम ओवरों में उन्होंने 33 रन ही बनाकर अपनी 9 विकटें गंवा दी। भारतीय गेंदबाजों में सबसे सफल रहे वुलदीप यादव जिन्होंने वुल 30 रन देकर 4 विकटें लीं, पर महत्वपूर्ण पल तब था जब वरुण चक्रवर्ती ने ओपनिंग जोड़ी को तोड़कर साहिबजादा फरहान को आउट किया। यह गेम का टर्निंग प्वाइंट था। पाकिस्तान 19.1 ओवर में वुल 146 रन ही बना पाया। भारत की शुरूआत अच्छी नहीं रही। ओपनर अभिषेक शर्मा दूसरी बॉल पर ही आउट हो गए, जिससे सबसे ज्यादा उम्मीद थी। कप्तान सूर्यवुंमार यादव एक बार फिर फिसड्डी साबित हुए और 1 रन ही बनाकर निकल लिए। भारत अब मुश्किल में था। पाकिस्तान का पलड़ा भारी हो गया था पर तिलक वर्मा, संजू सैमसन और शिवम दूबे ने मोर्चा संभाला और अंतिम ओवर में तिलक के छक्के और रिंवू सिंह के चौके ने एशिया कप भारत के नाम कर दिया। बेशक मैदान में क्रिकेट का मैच तो यहीं खत्म हो गया पर एक दूसरा नाटक आरंभ हो गया। भारत ने जैसा पूर्व मैचों में हुआ था पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया।

यही नहीं टीम इंडिया ने एशिया कप ट्राफी भी नहीं ली। दरअसल फाइनल के बाद टीम इंडिया ने साफ मना कर दिया था कि वह पाकिस्तानी सरकार के मंत्री मोहसिन नकवी से ट्रॉफी नहीं लेंगे, लेकिन एशियन क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष होने के नाते ट्राफी देने की जिद पर अड़े रहे। इसके चलते पोस्ट मैच प्रेजेंटेशन भी काफी देरी से शुरू हुईं। जब भारतीय टीम के मेडल और ट्राफी लेने की बात आईं तो साइमन डूल ने कहा कि देवियों और सज्जनों, मुझे एशियाईं क्रिकेट परिषद ने सूचित किया है कि भारतीय क्रिकेट टीम आज अपने पुरस्कार नहीं ले पाएगी तो मैच के बाद की प्रस्तुती यहीं समाप्त होती है। भारतीय टीम ने ट्रॉफी लेने से इंकार किया तो मोहसिन नकवी ट्रॉफी और मेडल लेकर अपने होटल चले गए। हालांकि उन्हें ऐसा करने का कोई अधिकार नहीं था। यह ट्रॉफी न तो उनकी थी न ही पाकिस्तान की। बीसीसीआईं के सचिव देवजीत सैकिया ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि हम ऐसे व्यक्ति से ट्रॉफी स्वीकार नहीं कर सकते जो ऐसे देश का प्रतिनिधित्व करता है जो हमारे देश के खिलाफ युद्ध लड़ रहा है और खुलेआम परमाणु बम हम पर गिराने की वकालत करता है। टीम इंडिया के इस पैसले का पूरे देश ने तहेदिल से स्वागत किया है। ट्रॉफी से कहीं ज्यादा तिरंगा, आत्मसम्मान मैटर करता है। ट्रॉफियां तो आती-जाती रहती हैं। भारतीय कप्तान सूयंवुंमार यादव ने मैच के बाद एक बड़ा और महत्वपूर्ण कदम उठाया। पाकिस्तान को पांच विकेट से हराकर नौंवी बार यह खिताब जीतने के बाद सूयंवुंमार यादव ने घोषणा की वह टूनामेंट में खेले गए अपने सभी मैचों की पूरी फीस भारतीय सेना को दान कर देंगे।

यह उनके लिए और पूरी टीम के लिए भावनात्मक और देशभक्ति पूर्ण पल था। भारतीय क्रिकेट वंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआईं) ने टीम के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ के लिए 21 करोड़ रुपए की घोषणा की है। अगर यह ट्रॉफी भारत के पक्ष में आईं तो हमें वुछ खिलाड़ियों के विशेष योगदान की सराहना करनी होगी। वुलदीप यादव ने इस फाइनल मैच में न केवल 30 रन देकर 4 विकेट ही लिए बल्कि भारत की तरफ से टी-20 फाइनल में सबसे बेस्ट बॉलिंग करने वाले गेंदबाज बन गए। उन्होंने एक साथ इरफान पठान, चहल, हार्दिक और आरपी सिंह का रिकार्ड तोड़ दिया। अगर हम बल्लेबाजी की बात करें तो तिलक वर्मा का योगदान कभी न भूलने वाली पारी थी। भारत की जीत का तिलक असल में तिलक वर्मा को लगाना चाहिए। भारत की जीत के हीरो तिलक वर्मा रहे। पूरे टूनामेंट में भारत ने पाक पर जीत की हैट्रिक लगाईं।

कौन हैं जेडीयू विधायक संजीव कुमार, जो आरजेडी में होंगे शामिल, अथाह संपत्ति के हैं मालिक

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले राजनीति में तेज हलचल शुरू हो गई है। खगड़िया जिले की परबत्ता सीट से जदयू के विधायक डॉ. संजीव कुमार ने 3 अक्टूबर को अपने हजारों समर्थकों के साथ आरजेडी में शामिल होने का ऐलान कर दिया है।

इस कदम को लेकर पूरे इलाके में सियासी सरगर्मी बढ़ गई है। राजनीतिक जानकार मान रहे हैं कि संजीव कुमार का यह कदम न सिर्फ जदयू के लिए बड़ा झटका है बल्कि आरजेडी के लिए खगड़िया और आसपास की सीटों पर नई उम्मीदें भी जगा सकता है। ऐसे में आइए जानते हैं डॉ. संजीव कुमार के बारे में।

कौन हैं डॉ. संजीव कुमार?

परबत्ता से विधायक डॉ. संजीव कुमार राजनीति में नए चेहरों में गिने जाते हैं, लेकिन उनका परिवार लंबे समय से इस इलाके की राजनीति में बड़ा नाम रहा है।

डॉ. संजीव कुमार, पूर्व मंत्री और पांच बार के विधायक रहे डॉ. रामानंद प्रसाद सिंह (आरएन सिंह) के बेटे हैं। उनके पिता जदयू के मजबूत स्तंभ माने जाते थे और नीतीश सरकार में परिवहन मंत्री भी रहे। इसीलिए जब संजीव कुमार 2020 में परबत्ता सीट से पहली बार विधायक बने, तो लोगों को इसमें परिवार की मजबूत पकड़ का बड़ा योगदान दिखाई दिया।

◆ डॉ. संजीव कुमार शिक्षा और पेशेवर पृष्ठभूमि

डॉ. संजीव कुमार का जन्म 8 नवंबर 1979 को पटना में हुआ। वे पढ़ाई में शुरू से ही तेज रहे। उन्होंने एमबीबीएस की पढ़ाई मुंबई के किंग एडवर्ड मेमोरियल हॉस्पिटल और सेठ जी.एस. मेडिकल कॉलेज से की। राजनीति में आने से पहले वे डॉक्टर के रूप में काम करते रहे और आज भी पटना में उनका एक डायग्नोस्टिक सेंटर चलता है। इस मेडिकल बैकग्राउंड के कारण उन्हें हेल्थ सेक्टर से जुड़े मुद्दों की गहरी समझ है और विधानसभा में भी उन्होंने कई बार स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने की मांग की।

विधायक के तौर पर कामकाज

2020 में पहली बार विधायक बनने के बाद डॉ. संजीव कुमार ने अपने क्षेत्र में कई विकास कार्य करवाए। उन्होंने गोगरी-जमालपुर में नई परियोजनाओं का उद्घाटन किया और अधूरी योजनाओं को पूरा करने पर जोर दिया।

वे खास तौर पर अगवानी घाट-सुल्तानगंज पुल की टूटी संरचना को

लेकर लगातार सक्रिय रहे। उन्होंने सीएम को ज्ञापन सौंपकर पुल का पुनर्निर्माण कराने की मांग की और इसकी अहमियत लोगों के सामने रखी। इसके अलावा उन्होंने बेतिया मेडिकल कॉलेज का नाम महारानी जानकी कुंवर के नाम पर रखने की भी मांग की थी।

डॉ. संजीव कुमार की संपत्ति

डॉ. संजीव कुमार की कुल चल और अचल संपत्ति 19 करोड़ 87 लाख रुपये की है। उनके ऊपर एक करोड़ रुपये से ज्यादा की देनदारियां हैं।

डॉ. संजीव कुमार ने अलग-अलग बैंक अकाउंट में 84 लाख रुपये जमा किए हैं। कंपनियों में बांड, डिबेंचर और शेयर में एक करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश है।

डॉ. संजीव कुमार ने एलआईसी या अन्य बीमा पॉलिसियों में 49 लाख रुपये निवेश किए हैं। उनके पास दो-तीन कार हैं, उनकी कुल कीमत एक करोड़ रुपये के आसपास है। डॉ. संजीव कुमार के पास 45 लाख रुपये के सोने, चांदी और हीरे के गहने हैं।

नाराजगी और बदलते समीकरण

बीते कुछ महीनों से डॉ. संजीव कुमार की एनडीए से नाराजगी खुलकर सामने आ रही थी। वे लगातार पार्टी और सरकार के कार्यक्रमों से दूरी बना रहे थे। 25 सितंबर को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खगड़िया दौरे में उनकी गैरहाज़िरी और 27 सितंबर को परबत्ता में जदयू के कार्यकर्ता सम्मेलन से गायब रहना इस बदलाव का साफ संकेत माना जा रहा था।

डॉ. संजीव कुमार अपने बेबाक अंदाज और मुद्दों पर स्पष्ट राय रखने के लिए जाने जाते हैं। किसानों की समस्याएं हों, जमीन विवाद हो या सरकारी प्रोजेक्ट्स में गड़बड़ी, उन्होंने सत्ता पक्ष में रहते हुए भी अपनी ही सरकार पर सवाल उठाने से परहेज नहीं किया। यही वजह है कि उन्हें आम लोगों के बीच एक अलग पहचान मिली।

बड़ा फैसला?

डॉ. संजीव कुमार का राजद में शामिल होना इसलिए अहम है क्योंकि परबत्ता क्षेत्र जदयू के लिए परंपरागत गढ़ माना जाता है। यहां से उनके पिता कई बार विधायक रह चुके हैं। ऐसे में संजीव कुमार का आरजेडी में जाना जदयू की पकड़ को कमजोर कर सकता है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि तेजस्वी यादव की आरजेडी को खगड़िया और आसपास की सीटों पर मजबूत आधार की जरूरत है। डॉ. संजीव का साथ मिलने से पार्टी को न सिर्फ संगठनात्मक मजबूती मिलेगी बल्कि इलाके की सवर्ण राजनीति में भी एक नया कार्ड खुलेगा।

डॉ. संजीव कुमार की एंट्री से खगड़िया और परबत्ता का चुनावी समीकरण पूरी तरह बदल सकता है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि उनके हजारों समर्थक किस हद तक आरजेडी को फायदा पहुंचाते हैं और क्या वाकई वे 2025 के चुनाव में किंगमेकर की भूमिका निभा पाएंगे। एक तरफ जदयू अपने पुराने गढ़ को बचाने की कोशिश करेगी, वहीं दूसरी तरफ आरजेडी इसे भुनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

तेज प्रताप के 5 साथी बदल देंगे चुनावी खेल? जानिए गठबंधन की 6 पार्टियों की ताकत और पूरा गणित

(जीएनएस)।

बिहार की सियासत में इस बार एक नया मोड़ आया है। लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव अपनी अलग राजनीतिक राह पर चल पड़े हैं। आरजेडी से अलग होकर उन्होंने न सिर्फ जनशक्ति जनता दल नाम की पार्टी बनाई, बल्कि पांच और छोटी-छोटी पार्टियों को साथ जोड़कर सामाजिक न्याय लोकतांत्रिक गठबंधन खड़ा कर दिया। दावा है कि ये गठबंधन 243 सीटों पर चुनाव लड़ेगा और तेज प्रताप खुद मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुंचेंगे।

लेकिन बड़ा सवाल है-तेज प्रताप के पांच साथी कितने मजबूत हैं? क्या ये गठबंधन वोट खींच पाएगा या फिर ये सिर्फ कागज पर बनी सियासी कहानी रह जाएगी? आइए, जानते हैं एक-एक पार्टी की ताकत और हकीकत।

तेज प्रताप की नई पारी और गठबंधन का खाका

तेज प्रताप यादव ने आरजेडी से अलग होने के बाद राजनीति में अपनी अलग पहचान बनाने का ऐलान किया। उनके गठबंधन में कुल 6 पार्टियां हैं,

1. जनशक्ति जनता दल (तेज प्रताप यादव)
2. प्रगतिशील जनता पार्टी (मनोरंजन श्रीवास्तव)
3. संयुक्त किसान विकास पार्टी (सूरज प्रकाश)
4. विकास वंचित इंसान पार्टी (प्रदीप निषाद)
5. वाजिब अधिकार पार्टी (विद्यानंद राम)
6. भोजपुरिया जन मोर्चा (भरत सिंह)

दिलचस्प ये है कि इनमें से कई पार्टियों का कोई मजबूत जनाधार नहीं है और तीन पार्टियां पहली बार चुनावी मैदान में उतर रही हैं। बावजूद इसके दावे 50 से 100 सीट जीतने के किए जा रहे हैं।

वाजिब अधिकार पार्टी - अब तक बस नाम का असर

विद्यानंद राम की वाजिब अधिकार पार्टी 2017 में बनी और 2020 में चुनाव आयोग के रिकॉर्ड में

आई। पिछले विधानसभा चुनाव में 12 सीटों पर लड़ी थी, लेकिन कहीं भी 4-5 हजार से ज्यादा वोट नहीं मिले। 2024 लोकसभा चुनाव में तीन सीटों पर उतरे तो कुल वोट बैंक मुश्किल से 20-25 हजार का ही रहा। यानि पार्टी का अस्तित्व ज्यादा बड़ा नहीं है।

◆ संयुक्त किसान विकास पार्टी -नालंदा से मिली थोड़ी पहचान

सूरज प्रकाश की पार्टी 2020 विधानसभा चुनाव में 8 सीटों पर लड़ी थी, लेकिन सभी जगह जमानत जब्त हो गई। हालांकि लोकसभा चुनाव में नालंदा सीट पर तीसरे नंबर पर रहकर पार्टी को थोड़ी पहचान मिली। यहां उनके उम्मीदवार को 25 हजार से ज्यादा वोट मिले थे। सूरज प्रकाश का दावा है कि इस बार उनकी पार्टी 35 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, खासकर शाहाबाद और मगध इलाके में।

हाईकोर्ट के वकील की सियासत

मनोरंजन श्रीवास्तव हाईकोर्ट के वकील हैं और उनकी प्रगतिशील जनता पार्टी 2015 में बनी थी। 2020 में सिर्फ तीन सीटों पर लड़ी थी। इस बार श्रीवास्तव खुद दीघा और बांकीपुर से चुनाव लड़ने का ऐलान कर चुके हैं। उनका दावा है कि गठबंधन 100 सीटें जीतकर सरकार बनाएगा। हालांकि पार्टी का ग्राउंड पर असर बेहद सीमित माना जाता है।

◆ विकास वंचित इंसान पार्टी - श्ख्ढ से अलग होकर बना नया संगठन

प्रदीप निषाद ने श्ख्ढ चीफ मुकेश सहनी से अलग होकर 2024 में विकास वंचित इंसान पार्टी (श्श्ख्ढ) बनाई। निषाद खुद को असली "मल्लाह नेता" बताते हैं और कहते हैं कि अब तक हर पार्टी ने निषाद समाज के साथ छल किया है। पार्टी का ढांचा अभी नया है, लेकिन दावा है कि बूथ स्तर पर संगठन खड़ा कर लिया गया है।

सिर्फ आरा तक सीमित

भरत सिंह की बनाई ये पार्टी भोजपुर इलाके तक सीमित है। चुनाव आयोग की वेबसाइट पर इसका रजिस्ट्रेशन जुलाई 2022 में ही दिखता है। इसका असर ज्यादा बड़ा नहीं है और न ही कोई बड़ा चेहरा सामने है।

तेज प्रताप की असली चुनौती

तेज प्रताप की खुद की पार्टी भी पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ रही है। हालांकि महुआ सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ने का उनका अनुभव रहा है, लेकिन अकेले दम पर वोट बैंक जुटा पाना उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती है। खासकर तब, जब लालू-तेजस्वी का जनाधार पहले से ही आरजेडी के साथ है।

गठबंधन का ग्राउंड रियलिटी चेक

अगर जमीन पर देखा जाए तो तेज प्रताप के गठबंधन का वोट बैंक बहुत बिखरा हुआ है। किसी पार्टी के पास मजबूत जातीय आधार नहीं है।

वोट प्रतिशत अब तक हर जगह 2-5 हजार के बीच रहा है। तीन पार्टियां पहली बार चुनाव लड़ रही हैं। फिर भी दावा किया जा रहा है कि गठबंधन 243 सीटों पर उतरेगा और 100 सीटें जीतकर सरकार बनाएगा।

तेज प्रताप यादव और उनके पांच साथियों का गठबंधन राजनीतिक चर्चा में जरूर है, लेकिन असलियत यह है कि बिहार की राजनीति जातीय समीकरण और जनाधार पर टिकी होती है। न वोट बैंक, न जनाधार और न ही कोई बड़ा चेहरा, इन परिस्थितियों में तेज प्रताप का गठबंधन फिलहाल चुनावी नैया पार कराने के बजाय बस सुर्खियों में बने रहने का जरिया दिख रहा है।

तेज प्रताप की इस नई सियासी पारी को "राजनीति का प्रयोग" कहा जा सकता है। चुनावी नतीजे क्या होंगे, ये तो आने वाला वक्त बताएगा, लेकिन फिलहाल उनके 5 साथी दमदार से ज्यादा कमजोर ही दिख रहे हैं।

नाजायज बेटी हैं ऋषि कपूर की? बाबी फिल्म के सेट से निकला डिंपल की प्रेग्नेंसी का राज!

बॉलीवुड की 'मिसेज फनीबोन्स' ट्विंकल ने हाल ही में एक पुराना किस्सा शेयर किया, जिसमें ऋषि कपूर ने उनके जन्मदिन पर ऐसा ट्वीट किया कि इंटरनेट पर हंगामा मच गया।

मजाक में ऋषि ने ट्विंकल को अपनी 'नाजायज बेटी' बता दिया, और लोग सचमुच मान बैठे कि 1973 की फिल्म 'बॉबी' के गाने 'अक्सर कोई लड़का' के वक्त ट्विंकल, डिंपल कपाड़िया के पेट में थीं। आइए जानते हैं क्या है इसके पीछे का सच?

बात है ट्विंकल खन्ना के एक जन्मदिन की, जब ऋषि कपूर ने अपनी चिर-परिचित मस्ती में ट्वीट किया- 'हैप्पी बर्थडे डियर ट्विंकल! 1973 में 'बॉबी' में जब मैं तुम्हारी मम्मी डिंपल के लिए 'अक्सर कोई लड़का' गा रहा था, तुम उनके पेट में थीं, हाहा!' ये ट्वीट ऐसा बम बना कि सोशल मीडिया पर लोग कन्फ्यूज हो गए। कईयों को लगा - अरे, क्या ट्विंकल ऋषि और डिंपल की 'नाजायज बेटी' हैं?

ट्विंकल ने हाल ही में काजोल और वरुण धवन के साथ 'टू मच' इवेंट में इस किस्से को याद करते हुए ठहाके लगाए। उन्होंने कहा, 'आलिया के ससुर (ऋषि) ने मुझे लगभग कपूर बना दिया। उनके ट्वीट से लोग सोचने लगे मैं उनकी 'नाजायज बेटी' हूं। फिर उन्हें सफाई देनी पड़ी - 'अरे, सॉरी, गलतफहमी हो गई।'

काजोल ने हंसते हुए आलिया के अजीब रिएक्शन की नकल की, तो ट्विंकल ने चुटकी ली, 'मैं तुम्हारी भाभी नहीं, ये बस मजाक था।' वरुण ने मजे लेते हुए कहा, 'आलिया को समझ ही नहीं आया कि रिएक्ट कैसे करे।'

जब ट्वीट से हंगामा मचा, तो ऋषि कपूर को तुरंत सफाई देनी पड़ी। उन्होंने लिखा, 'लोगों को क्या प्रॉब्लम है? राज कपूर और डिंपल की शादी मार्च 1973 में हो चुकी थी। 'बॉबी' की शूटिंग चल रही थी, और उस गाने के वक्त डिंपल 3 महीने की प्रेग्नेंट थीं। 'बॉबी' 28 सितंबर 1973 को रिलीज हुई, और ट्विंकल का जन्म 29 दिसंबर 1973 को हुआ।' सब साफ। लेकिन ऋषि की ये मस्ती उनके फैंस को आज भी हंसाती है।

1973 की 'बॉबी' राज कपूर की ड्रीम प्रोजेक्ट थी, जिसमें 23 साल के ऋषि कपूर और 16 साल की डिंपल कपाड़िया ने धमाल मचाया। 'हम तुम एक कमरे में बंद हों' और 'अक्सर कोई लड़का' जैसे गानों ने यूथ को दीवाना बना दिया। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 11 करोड़ कमाए - उस दौर में ये एक रिकॉर्ड था। डिंपल और ऋषि की ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री इतनी हिट थी कि ट्विंकल का जन्मदिन ट्वीट लोगों को 'रियल लाइफ' रोमांस की गलतफहमी दे गया।

ट्विंकल का ह्यूमर और ऋषि की मस्ती

ट्विंकल, जो अपनी किताबों और कॉलम्स में ह्यूमर की चाशनी डालती हैं, इस किस्से को सुनाकर फैंस को हंसा-हंसा कर लोटपोट कर रही हैं। ऋषि कपूर की चुलबुली अदा - चाहे 'कपूर एंड संस' में दादाजी का रोल हो या सोशल मीडिया पर उनकी बिंदास कमेंट्स - हमेशा फैंस का दिल जीतती थी।

धनश्री वर्मा जानबूझकर उड़ा रहीं युजवेंद्र चहल की धज्जियां? किस चालाकी से कर रहीं खुद की इमेज साफ

(जीएनएस)।

ओटीटी प्लेटफॉर्म एमएक्स प्लेयर पर आ रहे शो 'राईज एंड फॉल' में युजवेंद्र चहल की एक्स वाइफ धनश्री वर्मा भी हैं। वह इस शो में बतौर कंटेस्टेंट आई हैं और चहल के बारे में कई बातें वह अब तक कह चुकी हैं। धनश्री वर्मा की बातों से लग रहा है कि वह इस शो में खुद की इमेज ठीक करने के लिए आई हैं।

धनश्री वर्मा ने खुद ही इस शो में अपने एक्स हसबैंड की इज्जत करने और अपने तलाक आदि चीजों पर कोई बात नहीं करने को कहा था। वह यह भी कहती हुई नजर आई थीं कि मेरा एक रिलेशनशिप था, मैं उसका सम्मान करती हूं। इस पर बात नहीं करूंगी।

उनको अपने ये शब्द याद रहने चाहिए लेकिन कई बार चहल को उन्होंने गलत साबित करने का प्रयास करते हुए बयानबाजी की है। यह भी ऐसे समय में हो रहा है, जब चहल वहां मौजूद नहीं हैं। नयनदीप, आदित्य नारायण और कुबरा के साथ बातें करते हुए धनश्री ने चहल की धज्जियां उड़ाने का पूरा प्रयास किया है।

चहल के ऊपर सबसे बड़ा आरोप

हाल ही में एक एपिसोड में धनश्री ने चहल के ऊपर अब तक का सबसे बड़ा आरोप लगाया है। धनश्री ने कहा कि मैंने शादी के शुरूआती दो महीनों में ही चहल को चीटिंग करते हुए पकड़ लिया था। इस बयान के क्या मायने हैं, यह धनश्री को अच्छी तरह मालूम है लेकिन जानबूझकर इस बात को यहां उछालने का प्रयास किया गया है।

अगर शुरूआती दो महीने में ही ऐसा था, तो धनश्री ने चार साल बाद तलाक क्यों लिया? यह बड़ा सवाल है। सोशल मीडिया पर भी इसका जिक्र है। सोशल वर्क से जुड़ीं दीपिका नारायण ने भी यही सवाल किया है। अपने एक्स हैंडल पर उन्होंने लिखा कि उसने दो महीने में उसे धोखा करते रंगे हाथ पकड़ लिया था, लेकिन 4.75 करोड़ की एलिमनी लेने के लिए तीन साल तक इंतजार किया। अब इसमें कोई हैरानी नहीं है कि चहल ने 'बी योर ऑन सुगर डैडी' लिखी टीशर्ट पहनी थी।

एलिमनी पर क्या कहा

इससे पहले धनश्री ने एलिमनी की रकम को लेकर कहा था कि मेरे बारे में नेगेटिव प्रचार किया गया था, मैं इतना कह सकती हूं कि कुछ भी सच नहीं है। धनश्री ने यहां तक कहा था कि चहल की तरफ से मेरे खिलाफ नेगेटिव प्रचार किया गया था, ताकि मैं मुंह ना खोल दूं। हाल ही में एक इंटरव्यू में धनश्री ने ऐसी बातें नहीं कही थी लेकिन शो आगे बढ़ने के साथ चहल के ऊपर गंभीर आरोप जड़कर खुद की इमेज बचाने जैसा काम दिख रहा है। देखना होगा कि चहल की तरफ से इस मामले पर क्या प्रतिक्रिया आती है। फिलहाल आरोप एकतरफा हैं, इस वजह से धनश्री को सही मान लेना ठीक नहीं है क्योंकि जिस शख्स पर आरोप लगाए गए हैं, वह खुद को डिफेंड करने के लिए उस जगह मौजूद नहीं है।

भारतीय क्रिकेटर दीपक चाहर जाएंगे बिग बॉस? शो में होने वाला है बड़ा बदलाव, क्या है इसका कारण

(जीएनएस)।

चर्चित विवादास्पद टीवी रियलटी शो बिग बॉस में समय-समय पर कुछ न कुछ ऐसा होता है, जिसकी कल्पना ना दर्शक करते हैं और ना ही अंदर बैठे कंटेस्टेंट इसके बारे में सोच सकते हैं। कुछ ऐसा ही इस बार होने वाला है, जब शो में एक वाइल्ड कार्ड एंट्री होगी।

दैनिक भास्कर की एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय क्रिकेटर दीपक चाहर बिग बॉस में जाने वाले हैं। यहां सवाल खड़ा होता है कि वह आईपीएल और घरेलू क्रिकेट से अपना करियर अच्छी तरह चला रहे हैं, तो बिग बॉस में जाने की आवश्यकता क्यों पड़ गई। इसका जवाब भी काफी दिलचस्प है।

रिपोर्ट के अनुसार दीपक अपनी बहन मालती को छोड़ने के लिए बिग

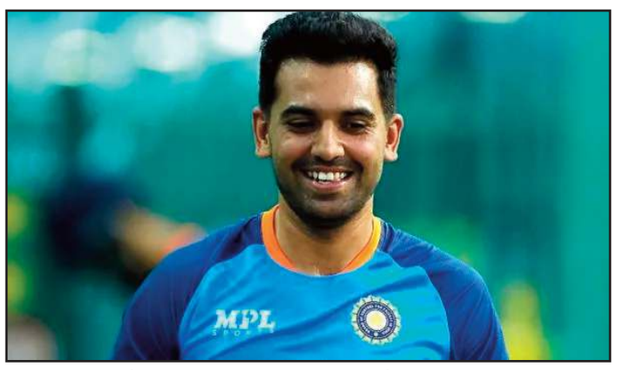

बॉस जाने वाले हैं। मालती इस शो का हिस्सा बन सकती हैं लेकिन इसे लेकर अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मालती अगर वहां जाती हैं, तो यह एक वाइल्ड कार्ड एंट्री होगी। वाइल्ड कार्ड से जीतने के आसार कम ही होते हैं। अब तक एल्विश यादव ही एकमात्र कंटेस्टेंट हैं, जो वाइल्ड कार्ड में जाकर शो जीते थे, हालांकि वह ओटीटी वाला बिग बॉस था।

कौन हैं मालती चाहर

मालती चाहर को पहले से ही लोग जानते हैं। हालांकि वह दीपक की बहन हैं लेकिन एक्टिंग में उन्होंने कुछ काम भी किया है। 7 फेरे ए ड्रीम हाउसवाइफ, जीनियस, सदा वियाह होया जी आदि फिल्मों में उन्होंने काम किया है। इसके अलावा वह कई मॉडलिंग प्रोजेक्ट में भी शामिल रही हैं। वह मिस इंडिया अर्थ 2009 का खिताब अपने नाम कर चुकी हैं। इसके अलावा फेमिना मिस इंडिया में सेकंड रनर अप भी रही थीं।

कौन हुआ है शो से बाहर?

इस सीजन अब तक दो कंटेस्टेंट अब तक बाहर हो गए हैं। आवेज दरबार और उनकी गर्लफ्रेंड नगमा इस शो से एलिमिनेट हुए हैं।

'12 सालों में सनातनियों के साथ सबसे ज्यादा छल मोदी ने किया', शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने क्यों कहा ऐसा?

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले सियासत ने नया मोड़ ले लिया है। इस बार लालू यादव-तेजस्वी और नीतीश कुमार के साथ-साथ सुर्खियों में जगदुरु शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती भी हैं। सीवान में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ पर सीधा वार किया।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा, "बीते 12 सालों में सनातनियों के साथ सबसे बड़ा छल मोदी ने ही किया है।" शंकराचार्य ने याद दिलाया कि 2014 में जब मोदी सत्ता में आए तो उनके भाषणों में गौ रक्षा और हिंदुत्व बड़े वादे थे। साधु-संत और आमजन उस समय प्रभावित हुए थे और बड़ी संख्या में समर्थन दिया था। लेकिन सत्ता में आने के बाद,

शंकराचार्य के मुताबिक, न तो गौ हत्या रुकी और न ही हिंदुत्व की रक्षा के वादों पर अमल हुआ।

केवल मोदी ही नहीं, शंकराचार्य ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा - "योगी जी गो रक्षा पीठ के मठाधीश हैं, लेकिन उनके ही राज्य में सबसे ज्यादा गाय काटी जा रही हैं और वे चुप्पी साधे हुए हैं।" यह बयान सीधा उस छवि पर सवाल खड़ा करता है, जिसके लिए योगी आदित्यनाथ देशभर में पहचाने जाते हैं।

गृहमंत्री अमित शाह को भी शंकराचार्य ने नहीं बख्शा। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान सीतामढ़ी में अमित शाह ने वादा किया था कि तीसरी बार सत्ता में आने पर गौ हत्यारों को उल्टा लटका देंगे। लेकिन एक साल से ज्यादा वक्त बीत जाने के बाद भी किसी पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सतीश कुमार ने आज नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर अमृत संवाद में भाग लिया और यात्रियों से बातचीत की

यह पहल नागरिकों की भागीदारी को मजबूत करने और अमृत काल के दौरान स्टेशनों के आधुनिकीकरण में सहयोग प्रदान करने पर केंद्रित है ताकि एक विकसित, आधुनिक और यात्री-अनुकूल रेलवे नेटवर्क बनाया जा सके

नई दिल्ली,

माननीय प्रधानमंत्री द्वारा प्रतिपादित अमृत काल के दृष्टिकोण और पंच प्रण के सिद्धांत के मार्गदर्शन में, रेल मंत्रालय ने विशेष अभियान 5.0 के अंतर्गत एक नई नागरिक-केंद्रित पहल शुरू की है। पिछले वर्ष भारतीय रेलवे में आयोजित रेल चौपाल से प्रेरित होकर, यह पहल अब अमृत संवाद के रूप में आयोजित की गई।

आज, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सतीश कुमार ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर अमृत संवाद में भाग लिया। अमृत संवाद के दौरान, उन्होंने यात्रियों से बातचीत की और स्टेशनों पर किए गए विभिन्न सुधारों पर यात्रियों से फीडबैक लिया।

श्री सतीश कुमार ने स्वच्छता ही सेवा अभियान के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 8 सफाई मित्रों को एवं 3 छात्रों को, जो स्वच्छता के थीम पर आयोजित पेंटिंग कंपटीशन के विजेता थे, सम्मानित किया।

अमृत संवाद रेलवे अधिकारियों और नागरिकों के बीच संवाद के लिए एक सीधा मंच प्रदान करता है, जिससे यात्रियों की प्रतिक्रिया, चिंताओं और सुझावों पर ध्यान दिया जा सके। अमृत संवाद पूरे भारतीय रेलवे में अमृत स्टेशनों एवं अनेक अन्य प्रमुख स्टेशनों पर 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा।

इस पहल में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्टेशनों पर किए गए सुधारों पर प्रकाश डाला जाएगा, जिनमें शामिल हैं:

- उन्नत प्रतीक्षालय और शौचालय।
- बेहतर लिफ्ट, एस्केलेटर और यात्री सूचना प्रणाली।
- मुफ़्त वाई-फाई और "एक स्टेशन एक उत्पाद" कियोस्क।
- भूनिर्माण और सौंदर्य संवर्धन।
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएँ और अन्य सुगम्यता उपाय।

अमृत संवाद आगे के सुधारों के लिए सुझाव भी एकत्र करेगा, जैसे:

- बेहतर यातायात और शहरी परिवहन प्रणालियों के साथ एकीकरण।
- अतिरिक्त यात्री सुविधाएँ।
- ऊर्जा-कुशल और टिकाऊ समाधान।
- बेहतर प्लेटफॉर्म कवर और यात्रियों के लिए व्यक्तिगत सुविधाएँ।

यह पहल नागरिकों की भागीदारी को मजबूत करने, स्टेशनों के आधुनिकीकरण में सहयोग देने और अमृत काल के दौरान एक विकसित, आधुनिक और यात्री-अनुकूल रेलवे नेटवर्क के लिए भारत के व्यापक दृष्टिकोण के अनुरूप कार्य करने पर केंद्रित है।

"स्वच्छता ही सेवा अभियान 2025" के दौरान, भारतीय रेलवे ने स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित हुई। संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है:

स्वच्छता ही सेवा - 2025 (17.09.25 से 02.10.25) पर रिपोर्ट - भारतीय रेलवे द्वारा स्वच्छता गतिविधियाँ

अर्न्तराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के अवसर पर संगोष्ठी एवं विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

अधिवक्ताओं को गांधी जी के जीवन परिचय से सबक लेना चाहिए: जनपद न्यायाधीश

(जीएनएस)।

उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के मंशानुसार प्रतिमा श्रीवास्तव, माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में माह अक्टूबर 2025 के प्लान आफ एक्शन के अन्तर्गत आज दिनांक-02.10.2025 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी की जयन्ती के अवसर पर प्रतिमा श्रीवास्तव जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बाराबंकी की अध्यक्षता में जनपद न्यायालय के सभागार कक्ष में गांधी जयन्ती परह्यह्य अर्न्तराष्ट्रीय अहिंसा दिवसह्यह्य विषय

पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम जनपद न्यायाधीश महोदया एवं अन्य समस्त न्यायिक अधिकारीगण, अधिवक्तागण, कर्मचारीगण के द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया।

अर्न्तराष्ट्रीय अंहिसा दिवस पर आयोजित संगोष्ठी का संचालन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बाराबंकी के द्वारा किया गया। संगोष्ठी में समस्त न्यायिक अधिकारीगण, अधिवक्तागण, कर्मचारीगण, पत्रकार बंधु शामिल हुये।

प्रतिमा श्रीवास्तव जनपद न्यायाधीश महोदया के द्वारा स्वच्छता, अंहिसा और स्वदेशी का संदेश देते हुए जनपद न्यायालय बाराबंकी की स्वच्छता के आधार स्तम्भ सफाई कर्मियों को अंगवस्त्र पहनाकर उनका सम्मान किया। सम्मान प्राप्त करने वालों में अजय, दिलीप कुमार, सोनू कुमार, मीना, संतोष कुमार, अंकित कुमार, बलराम अवस्थी, राघवेन्द्र, उर्मिला, अजय कुमार व बच्चे लाल शामिल थे। इन सभी सफाईकर्मियों को सम्मानित करने के पश्चात जिला जज ने इस सभी लोगों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि यदि सफाईकर्मी कठिन परिश्रम ने करते तो जनपद न्यायालय इतना स्वच्छ नहीं होता। इसके पश्चात महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री के जीवन, उनके संघर्ष, उनकी कार्यप्रणाली, उनके कठोर तप इत्यादि के विषय में जानकारियां देते हुए सोहनलाल द्विवेदी की ह्ययुगावतार गांधीह्य शीर्षक से है चल पड़े जिधर दो डग मग में चल पड़े कोटि पग उसी ओर कविता सुनाते हुए अपनी संबोधन का समापन किया।

दरोगा मनोज कुमार सिपाही गुरमीत मोबाइल में मस्त मेला से बाइक चोरी दुकानदारों की लड़ाई में एक जखमी।

(जीएनएस)।

पीलीभीत बिलसंडा थाना क्षेत्र के गांव कनपरी में हुई रामलीला में सोमवार को पुलिस की बड़ी उदासीनता व लापरवाही बरतने का एक वीडियो शोसल मीडिया पर वायरल हुआ है वायरल वीडियो में दरोगा मनोज कुमार गौतम और सिपाही गुरमीत मोबाइल में मस्त नजर आए,वही मेला दर्शकों की व्यवस्था की देखभाल करने की जिम्मेदारी को ड्यूटी में लापरवाह पुलिस ने किसान यूनियन के कार्यकताओं के कन्धे पर छोड़ कर स्वयं मोबाइल पर व्यस्त हो गए और मेले में एक के बाद एक नई घटनाएं उत्पन्न हुई। जिसमे थाना क्षेत्र के गांव हरूनगला उर्फ नौआ नगला निवासी शान मोहम्मद पुत्र बली मोहम्मद ने बताया कि वह मेला

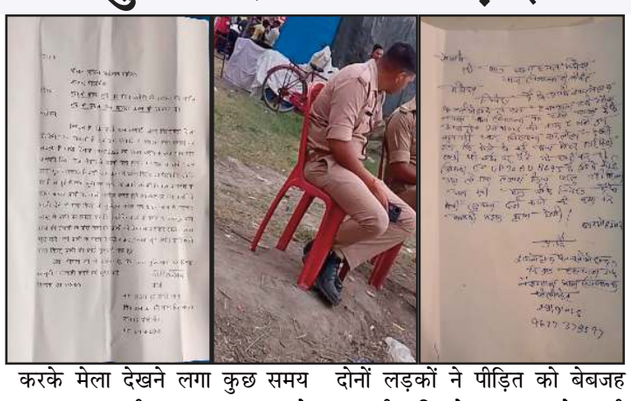

देखने आया और अपनी बाइक खड़ी करके मेला देखने लगा कुछ समय बाद बाइक की जगह पर गया तो देखा कि बाइक मौके से गायब थी काफी खोजबीन करने कराने के बाद भी बाइक का कोई सुराग नहीं लगा तब पीड़ित ने थाना पुलिस को लिखित शिकायत की।उधर दो दुकानदारों में कहा सुनी हो गई जिसमें रामलखन पुत्र तोड़ी लाल ने बताया कि एक दुकानदार व उसके दोनों लड़कों ने पीड़ित को बेबजह मारा पीटा जिसके कारण उसके खुली व गुम चोटे आई है पीड़ित ने थाना पुलिस को लिखित शिकायत की लेकिन बड़े खेद की बात यह है कि दरोगा मनोज कुमार कार्यवाही करने की बजाह पीड़ित पर दबाव बना कर फैसला कराने का दबाव बना रहा है।पीड़ित का मेडिकल तक नहीं कराया ।मेला ड्यूटी में पुलिस मोबाइल में व्यस्त रही और मेला में एक के बाद एक नई घटनाएं सामने आई है। इन पुलिस वालों की मेला ड्यूटी के दौरान उदासीनता और बड़ी लापरवाही उजागर हुई है । अब देखना यह होगा कि ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले ऐसे दरोगा और सिपाही पर क्या कार्यवाही होती है। वही भाकियू भानु के जिला उपाध्यक्ष का कहना है कि हमारे संगठन के ग्राम अध्यक्ष पर हमला करने वाले पर और ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले उक्त दरोगा सिपाही पर अगर कोई कार्यवाही नहीं हुई तो मजबूर होकर भारतीय किसान यूनियन भानु इनके बिरुद्ध एक बड़ा आंदोलन धरना प्रदर्शन करने को विवश होगा

जल्द ही अल्टीमेट जारी किया जा सकता है।धरना प्रदर्शन की सारी जिम्मेदारी बिलसंडा पुलिस की होगी।

विजयादशमी पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का शस्त्र पूजन एवं पथ संचलन

(जीएनएस)।

बीसलपुर। विजयादशमी के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सरस्वती विद्या मंदिर प्रांगण में भव्य शस्त्र पूजन एवं पथ संचलन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रांत कार्यकारिणी सदस्य श्री सुरेश जी, विद्यालय प्रबंधक विष्णु गोयल तथा पूर्व जिला संघ चालक राधेश्याम जी द्वारा ध्वज एवं शस्त्र पूजन से हुआ।

इस अवसर पर श्री सुरेश जी ने कहा कि संघ आज समाज के प्रत्येक क्षेत्र में सेवा प्रदान कर रहा है, जिसके कारण पूरा विश्व हमें सम्मान की दृष्टि से देख रहा है। उन्होंने संघ के इतिहास, संघर्ष और महापुरुषों के बलिदान की प्रेरक घटनाओं का उल्लेख कर स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के प्रधानाचार्य वीरेंद्र मिश्रा ने किया। शस्त्र पूजन के उपरांत संघ प्रार्थना हुई और इसके बाद माधव बस्ती में भव्य पथ संचलन निकाला गया, जिसमें 500 से अधिक गणवेशधारी स्वयंसेवकों ने अनुशासित ढंग से भाग लिया। जगह-जगह स्वयंसेवकों का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया।

इस अवसर पर पूर्व जिला संघ चालक श्री पुरन लाल, जिला संघ चालक राम वीर, नगर संघ चालक तिलक राम, जिला प्रचारक अशोक, नगर प्रचारक सर्वेश, प्रांत सह व्यवस्था प्रमुख प्रवीण गोयल सहित सुशील शर्मा, अंकुर गुप्ता, दीपक, संजय सिंह, विशाल फौजी, रजनीश तिवारी, प्रशांत, अजीत, मृत्युंजय, अभिषेक, सौरभ, मुख्य शिक्षक रमेश पाल सिंह आदि की विशेष उपस्थिति और सहयोग रहा।

विजय दशमी पर 'टीम लखनऊ' ने पंजाब के बाढ़ पीड़ितों और शहीद परिवारों के लिए खोला मदद का खजाना

भारत-पाक सीमा के अंतिम गाँव तक पहुँची 'टीम लखनऊ'

टीम लखनऊ ने शहीद सैनिकों के परिवारों को किया सम्मानित,गिरे घर के पुनर्निर्माण के लिए दी आर्थिक सहायता।

स्कूलों के छात्रों को बांटे गए स्कूल बैग,चिप्स, बिस्किट और चाकलेट शिक्षा और खुशी की किरण पहुँचाई।

'टीम लखनऊ' ने विजय दशमी पर पंजाब में बांटी 30 टन राहत सामग्री

लखनऊ।त्योहारों के बीच,जहाँ लोग खुशियाँ मना रहे थे,वहीं 'टीम लखनऊ' ने मानवता की एक अनूठी मिसाल पेश की। विजय दशमी के पावन अवसर को सेवा पर्व में बदलते हुए, टीम ने बाढ़ से बेहाल पंजाब में एक सप्ताह तक विशाल राहत अभियान चलाया और करीब 30 टन सामग्री वितरित करके हजारों पीड़ितों के चेहरे पर मुस्कान लाई।

टीम लखनऊ ने अपने अभियान का समापन शहीद सैनिकों के परिवारों को राहत सामग्री उपलब्ध कराकर की,और उन्हें सम्मान भी दिया।इसके

साथ ही अमृतसर के एक गाँव में बाढ़ से जिनका घर पूरी तरह गिर गया था, उस कंवलजीत और हरजीत कौर के परिवार को टीम ने नया आशियाना बनवाने के लिए तत्काल आर्थिक सहायता देकर सहारा दिया।

राहत अभियान के अंतिम दिन टीम के सदस्य भारत-पाकिस्तान सीमा के आखिरी पिंड (गाँव) चंदू नगर जोड़ियां खुर्द जैसे अत्यधिक दुर्गम स्थानों पर पहुँचे।बाढ़ ने यहाँ की सड़कें बहा दी थीं और मकान टूट गए थे।भारतीय सेना के उल्लेखनीय सहयोग से टीम यहाँ पहुँचने में सफल रही,जहाँ ग्रामीणों ने राहत सामग्री पाकर लखनऊ वासियों का तहे दिल से शुक्रिया अदा किया।

बच्चों के लिए खुशियों का खजाना

सरकारी एलिमेंट्री स्मार्ट स्कूल पिंड कोटली के बच्चों के लिए टीम ने विशेष व्यवस्था की। उन्हें स्कूल बैग, चिप्स, बिस्किट और चॉकलेट बांटे गए, जिससे उनकी पढ़ाई और बचपन प्रभावित न हो।

टीम द्वारा वितरित की गई व्यापक राहत सामग्री में राशन,तिरपाल, मच्छरदानी,चप्पल, दवाईयां, नए कपड़े, डाइपर, सेनेटरी पैड, आदि आवश्यक वस्तुएं शामिल थीं।

ये यह सारा नेक काम मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली, समाजसेवी मुरलीधर आहूजा और निगहत खान की सरपरस्ती में पूरा हुआ।टीम लखनऊ ने यह साबित कर दिया कि इंसानियत सबसे बड़ा धर्म है और संकट के समय एक-दूसरे का साथ देना ही देश की असली भावना है।राहत अभियान में टीम लखनऊ लीडर,मुर्तजा अली,संयुक्त सचिव जुबैर अहमद,संस्थापक सदस्य कुदरत उल्लाह खान,मीडिया प्रभारी अब्दुल वहीद,जसबीर गांधी,वामिक खान,इरफान शेख,शाहबाज खान आदि शामिल थे।

भीगी किशमिश के फायदे तो खूब सुन होंगे, लेकिन क्या आप जानते हैं भुनी हुई किशमिश खाने के फायदे

(जीएनएस)।

ड्राई फ्रूट्स का सेवन सेहत के लिए फायदेमंद होता है, बात करें किशमिश की तो इसको भीगो कर खाने के फायदे तो आपने आज तक खूब सुने होंगे, लेकिन क्या आपने कभी भुनी हुई किशमिश के फायदों के बारे में सुना है. किशमिश यानी सूखे अंगूर का इस्तेमाल आमतौर पर मिठाइयों, खीर या स्नैक्स में किया जाता है. भीगी हुई किशमिश के फायदों की बात करें तो ये पाचन और खून की कमी जैसे कई स्वास्थ्य लाभ देती है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि भुनी हुई किशमिश भी आपकी सेहत के लिए उतनी ही फायदेमंद हो सकती है. अगर आप किशमिश को हल्की आंच पर घी या बिना घी के सेंककर खाते हैं तो इसका स्वाद तो बढ़ता ही है ये आपको कई स्वास्थ्य लाभ भी देती है.

भुनी हुई किशमिश खाने के फायदेः

1. पाचन तंत्र को रखे दुरुस्त

भुनी हुई किशमिश में फाइबर अच्छी मात्रा में पाया जाता है, इसका सेवन कब्ज और अपच जैसी समस्याओं से राहत दिलाने में भी मदद करती है. ये पेट को हल्का रखने और गैस की समस्या से राहत दिलाने में भी मदद करता है.

2. एनर्जी बूस्टर

अगर आपको दिनभर थकान महसूस होती है, तो सुबह या शाम को आप एक मुट्ठी भुनी हुई किशमिश का सेवन करने से आपको एनर्जी मिलती है. ये एनर्जी का एक अच्छा स्रोत बन सकता है. इसमें नेचुरल शुगर (ग्लूकोज और फ्रक्टोज) होती है जो शरीर को तुरंत एनर्जी देती है.

3. आयरन का बेहतरीन स्रोत

भुनी किशमिश का सेवन शरीर में आयरन की कमी को पूरा करने में भी मदद करता है, ये आयरन से भरपूर होता है, जो हीमोग्लोबिन बढ़ाने और खून की कमी (एनीमिया) से बचाने में मदद करती है.

ये भी पढ़ें: चमकते सेब में छिपा है खतरा! जानिए वैक्स कोटेड सेब और असली सेब में कैसे करें पहचान

4. हड्डियों को मजबूत बनाएं

किशमिश में कैल्शियम और बोरॉन जैसे मिनरल्स पाए जाते हैं जो हड्डियों को मजबूती देने में भी मदद करता है. भुनी हुई किशमिश का

नियमित तौर पर सेवन ऑस्टियोपोरोसिस के खतरे को भी कम कर सकता है.

5. मजबूत इम्युनिटी

किशमिश में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करता है. इसको भूनने से इसकी गर्म तासीर और भी प्रभावी हो जाती है, जो सर्दी-खांसी और मौसमी बीमारियों से बचाव में मदद करती है.

6. वेट गेन के लिए हेल्दी स्नैक

अगर आप दुबले हैं और हेल्दी तरीके से वजन बढ़ाना चाहते हैं, तो भुनी हुई किशमिश एक बेहतरीन स्नैक है. इसे रोजाना दूध के साथ भी लिया जा सकता है.

कैसे खाएं भुनी हुई किशमिश?

सादी भुनी किशमिशः बिना तेल या घी के तवे पर हल्की आंच पर सेकें और स्नैक की तरह खाएं.

घी में भुनी किशमिशः थोड़ा देसी घी गरम करें और उसमें किशमिश को हल्का भून लें, जब तक वे फूले न, फिर खाएं.

दूध के साथः भुनी किशमिश को गुनगुने दूध के साथ लेने से पोषण और भी बढ़ जाता है.

किन बातों का रखें ध्यानः

डायबिटीज के मरीज सीमित मात्रा में ही लें, क्योंकि किशमिश में नैचुरल शुगर अधिक होती है.

ज्यादा मात्रा में सेवन करने से गर्मी बढ़ सकती है या मुंह में छाले हो सकते हैं.

'मेरे दोनों पार्टनर..', दो भाइयों के साथ शादी करने वाली दुल्हन ने पहली बार तोड़ी चुप्पी और क्या कहा? एक के विदेश जाने पर आया रिएक्शन

नाहन. हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले में दो भाइयों ने एक दुल्हन से शादी की थी. इस पर खासी चर्चा हुई. कई दिन तक दोनों भाइयों ने इस मसले पर प्रतिक्रिया नहीं दी, लेकिन फिर वीडियो जारी किया और एक ही युवती से शादी की वजह भी बताई. हालांकि, इस दौरान उनकी दुल्हन ने कभी प्रतिक्रिया नहीं दी, लेकिन अब उसकी ओर से भी सोशल मीडिया पर अपनी भावनाएं जाहिर की गई है.

दरअसल, बुधवार को एक भाई कपिल नेगी विदेश अपनी नौकरी पर लौट गया और बहरीन जाने की सूचना सोशल मीडिया दी. इस पर प्रदीप नेगी ने लिखा कि भाई, बचपन से अब तक की हर याद तेरे साथ ही जुड़ी है. स्कूल जाते वक्त का तेरा साथ, माँ की डाँट से बचाने का तेरा अंदाज, और तेरे बिना तो हर त्यौहार अधूरा लगता है. आज तू विदेश चला गया है, पर सच कहूँ तो तेरे बिना घर की रौनक जैसे खो सी गई है. हंसीझमजाक करने वाला तू अब सामने नहीं है, बस तेरी यादें दिल को तसल्ली देती हैं. भाई, ये

दूरी चाहे कितनी भी बड़ी हो जाए, पर दिल की दुआएँ और मोहब्बत हमेशा तेरे साथ रहेंगी. जल्दी लौट आ, तेरी हंसी और तेरे बिना अधूरी हमारी ज़िंदगी को फिर से पूरा करने. मेरे प्यारे भाई मिस यू

वहीं, प्रदीप और कपिल की दुल्हन सुनीता ने भी अपने प्यार का इजहार किया और प्रतिक्रिया दी और लिखा कि हर नई चीज अच्छी लगती है, पर, तेरी पुरानी यादें को बेहद अच्छी लगती है. मिस यू बोथ ऑफ माई पाटनर्स एंड लव यू!

गौरतलब है कि हाल में प्रदीप नेगी और कपिल नेगी के पिता की मौत हो गई थी. इस पर भी दोनों भाइयों ने सोशल मीडिया पर अपना दर्द बयान किया था. दोनों के पिता को कैंसर की बीमारी थी और उनका निधन बीते माह हो गया था.

जोड़ीदार प्रथा के तहत की थी शादी

सिरमौर के शिलाई गांव के रहने वाले प्रदीप और कपिल ने 13 जुलाई को एक ही युवती सुनीता से शादी की थी. जौड़ीदार प्रथा के तहत यह शादी हुई थी, जिसका प्रचलन सिरमौर और उतराखंड में है. शादी की चर्चा देशभर में हुई थी और दोनों भाई मीडिया की सुर्खियां बने थे. सिरमौर जिले में हाटी समुदाय में एक महिला के कई भाइय़¨ ¨ के साथ शादी करने की प्रथा लंबे समय से चली आ रही है. कई बार तो एक महिला की पांच भाइयों से भी शादी हुई है और इसे पांचली प्रथा भी कहा जाता है.

'राम की नगरी में मुस्लिमों की रामलीला, गंगा-जमुनी तहजीब की अनोखी मिसाल'

अयोध्याः राम की नगरी अयोध्या में दशहरे पर मंच सजता है, लेकिन इस मंच की सबसे खास बात यह है कि इसमें न राम हिंदू होते हैं, न रावण. बल्कि यहां हनुमान से लेकर रावण तक, पूरी रामलीला के किरदार मुस्लिम युवा निभाते हैं. यह परंपरा कोई आज की नहीं, बल्कि 1963 से

लगातार 62 सालों से निभाई जा रही है.

सांप्रदायिक सौहार्द की अनोखी मिसाल

मुमताज नगर में आयोजित होने वाली इस रामलीला का खर्च भी पूरा मुस्लिम समुदाय उठाता है। रामायण समिति के अध्यक्ष डॉ. सैयद माजिद अली बताते हैं कि यह परंपरा हिंदू-मुस्लिम एकता का प्रतीक है. यहां मुस्लिम युवक गर्व से रावण, सैनिकों और साधुओं की भूमिका निभाते हैं, जबकि राम, सीता और लक्ष्मण जैसे पूजनीय पात्र अलग से निभाए जाते हैं.

धन की परवाह किए बिना निभाते हैं जिम्मेदारी

गांव की लगभग 1000 आबादी में 700 से अधिक मुस्लिम रहते हैं और सभी अपनी आर्थिक स्थिति की परवाह किए बिना योगदान देते हैं. जो लोग पैसा नहीं दे पाते, वे रामलीला की तैयारी में हाथ बंटाते हैं. इस साल धन की कमी के कारण रामलीला 10 दिन की जगह 7 दिन तक ही चल पाई.

मोहम्मद नसीम कहते हैं, 'हमें इस परंपरा पर गर्व है, यह न सिर्फ हमारे हिंदू भाइयों की सेवा है, बल्कि असल मायनों में सांप्रदायिक सौहार्द की झलक है.

शस्त्र पूजन एक धार्मिक व सांस्कृतिक आयोजन : योगेश

(जीएनएस)।

प्रयागराजः विजयादशमी के अवसर पर प्रयागराज में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने केसर भवन में शस्त्र पूजन का कार्यक्रम आयोजित किया था।

इस आयोजन में विभिन्न प्रकार के शस्त्रों पर टीका लगाई गई और उन्हें विधिवत पूजा अर्चना की गई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य धर्म रक्षा की भावना को पुष्ट करना तथा हिंदू समाज को सांस्कृतिक व धार्मिक चेतना देना माना जाता है। इसके अतिरिक्त, हाल ही में 1 अक्टूबर 2025 को जसरा, कांटी (प्रयागराज जिले में) में विहिप और बजरंग दल के संयुक्त कार्यक्रम में शस्त्र पूजन एवं कन्या पूजन किया गया।

सोनम वांगचुक की रिहाई के लिए पत्नी ने राष्ट्रपति से लगाई गुहार, ब्रिटिश शासन जैसा अत्याचार का लगाया आरोप

(जीएनएस)।

लेह-लद्दाख में हिंसा के बाद अरेस्ट किए गए पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक बीते कई दिनों से जेल में बंद हैं। उनकी पत्नी गीतांजलि जे. आंगमो ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से अपने पति सोनम वांगचुक की रिहाई के लिए एक भावुक पत्र लिखा है।

सोनम वांगचुक को लद्दाख में 24 सितंबर को हुई हिंसक झड़पों के बाद हिरासत में लिया गया था और तब से वे राजस्थान की जोधपुर जेल में बंद हैं। राष्ट्रपति को लिखे तीन पन्नों के पत्र में, वांगचुक की पत्नी ने अपने पति के खिलाफ "विचहंट" (जादू-टोना) का आरोप लगाया है।

गीतांजलि ने कहा कि पिछले चार सालों से अपने लोगों के लिए आवाज उठाने के कारण उनके पति को निशाना बनाया जा रहा है और उन्हें अपने पति की हालत के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

लेह के उपायुक्त के माध्यम से भेजे गए प्रतिनिधित्व में आंगमो ने कहा, "हम वांगचुक की बिना शर्त रिहाई का अनुरोध करते हैं, वह व्यक्ति जो कभी किसी के लिए खतरा नहीं हो सकता, अपने राष्ट्र के लिए तो बिल्कुल भी नहीं। उन्होंने अपना जीवन लद्दाख के बहादुर बेटों की सेवा में समर्पित किया है और हमारे महान राष्ट्र की रक्षा में भारतीय सेना के साथ एकजुटता से खड़े हैं।"

इसके साथ ही गुरुवार को पसोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंगमो ने हाल ही में लद्दाख में हुई पुलिस कार्रवाई की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्रालय पर ब्रिटिश शासन जैसा अत्याचार करने का आरोप लगाया है और सवाल उठाया है कि क्या भारत वास्तव में आजाद है।

गीतांजलि ने सोशल मीडिया पर तीखे लहजे में लिखा कि 1857 में, 24,000 अंग्रेजों ने 30 करोड़ भारतीयों पर अत्याचार करने के लिए 1,35,000 भारतीय सिपाहियों का उपयोग किया था। उन्होंने तुलना करते हुए कहा कि आज, गृह मंत्रालय के आदेश पर, मुट्ठी भर प्रशासक 2,400 लद्दाखी पुलिस का दुरुपयोग करके 3 लाख लद्दाखियों को प्रताड़ित कर रहे हैं।

गौरतलब है कि वांगचुक को 26 सितंबर को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (ठरअ) के तहत हिरासत में लिया गया था, यानी लेह शहर में हुई हिंसक झड़पों के दो दिन बाद। इन झड़पों में चार लोग मारे गए थे और कई अन्य घायल हुए थे। यह हिंसा लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने जैसी मांगों के समर्थन में हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान भड़की थी।

सीएम योगी ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयन्ती पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सत्य और अहिंसा के माध्यम से गांधी जी के नेतृत्व में चला भारतीय स्वाधीनता आन्दोलन विश्व के इतिहास में विलक्षण है। उनके विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने पहले थे। इन्हें अपनाकर सम्पूर्ण विश्व में शान्ति और सद्भाव स्थापित किया जा सकता है।

महात्मा गांधी जी ने चरखे, खादी और स्वदेशी के माध्यम से स्वावलम्बन और श्रम की गरिमा को रेखांकित किया। ग्राम स्वराज्य की अवधारणा से देश को आत्मनिर्भरता की राह दिखायी।

उ.प्र. सीएम योगी आदित्यनाथ जी ने आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी और 'भारत रत्न' पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के अवसर पर जनपद गोरखपुर स्थित श्री ोारखपुर मंदिर परिसर में उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें कोटि-कोटि नमन किया।

पीओजेके : तेज हुई आजादी की मांग, नेताओं के निशाने पर शहबाज और मुनीर की जोड़ी, सैनिकों को बनाया बंधक

पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर (PoJK) में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सरकार के खिलाफ भयंकर विरोध प्रदर्शन हुए हैं। इन प्रदर्शनों में हजारों लोग सड़कों पर उतर आए हैं, जिससे पूरे क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अशांति फैल गई है।

किन इलाकों में हो रहे प्रदर्शन?

मुजफ्फराबाद, रावलकोट, नीलम घाटी और कोटली सहित कई इलाकों में विरोध प्रदर्शन देखने को मिल रहे हैं। लोग सरकार की नीतियों और सुरक्षाबलों के दमन के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर कर रहे हैं। बुधवार को पाकिस्तानी सुरक्षाबलों की गोलीबारी में कम से कम 12 नागरिक प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई, जिससे स्थिति और तनावपूर्ण हो गई।

सेना के अत्याचार से तंग आई जनता

PoK वर्तमान में हाल के वर्षों के सबसे बड़े अशांति दौर से गुजर रहा है। इन विरोध प्रदर्शनों की शुरूआत सरकार द्वारा 38 महत्वपूर्ण मांगों को पूरा करने में विफलता के कारण हुई थी, लेकिन अब यह सेना के अत्याचारों के खिलाफ एक बड़े जन आंदोलन का रूप ले चुका है।

लोगों को मारी गोली, बच्चों को भी नहीं छोड़ा

आंदोलन के तीसरे दिन, आसिम मुनीर के नेतृत्व वाली सेना ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए गोलियां चलाईं और आंसू गैस के गोले दागे। रिपोर्टों के अनुसार, मुजफ्फराबाद में पांच, धीरकोट में पांच और दादयाल में दो प्रदर्शनकारी गोली लगने से मारे गए। इस दौरान कम से कम तीन पुलिसकर्मियों की भी मौत हुई। इसी गोलीबारी में बच्चों तक को निशाना बनाया गया।

जम्मू कश्मीर जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (एएसी) के नेतृत्व में हो रहे इन प्रदर्शनों के कारण पूरा ढङ्गड ठप हो गया है। आंदोलनकारी पाकिस्तान में रह रहे कश्मीरी शरणार्थियों के लिए PoK विधानसभा में आरक्षित 12 सीटों को समाप्त करने की मांग कर रहे हैं।

शौकत नवाज मीर सरकार को बताया डायन

पाकिस्तान के हाथ से ढङ्गड निकलता जा रहा है। आवामी एक्शन कमेटी (ढङ्गखड) के शीर्ष नेता शौकत नवाज मीर ने पाकिस्तान सरकार और सेना पर स्थानीय लोगों के दमन का आरोप लगाया है। उन्होंने सरकार की तुलना डायन से करते हुए कहा कि तथाकथित आजाद कश्मीर बिल्कुल भी आजाद नहीं है।

मीर ने याद दिलाया कि जनरल असीम मुनीर ने पहलगाम हमले से पहले हिंदुओं को काफि र कहा था। उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तान दूसरों पर अत्याचार के आरोप लगाता है, लेकिन उसके अपने नेता ढडङ में अत्याचार कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी आम लोगों की आवाज को दबाए जा रहे हैं और मीडिया को चुप कराया जा रहा है।

पुतला दहन से पहले रावण, कुंभकरण और मेघनाद धड़ाम, दशहरे पर बारिश और तेज हवा से पड़ा खलल, जानिए कहां

(जीएनएस)।

देशभर में आज दशहरे और विजयादशमी पर्व की धूम है। हर तरफ रावण, कुंभकरण और मेघनाद के पुतले खड़े किए गए हैं। जिनका पुतला दहन किया जाना है। इस बीच उत्तराखंड में बारिश और तेज हवा का दौर शुरू हो गया है। जिसकी वजह से दशहरे में कई जगह खलल पड़ता हुआ नजर आया।

ऐसी ही एक तस्वीर उधम सिंह नगर जिले के रुद्रपुर से सामने आई, जब अचानक से रावण, कुंभकरण और मेघनाद के पुतले दहन से पहले ही धड़ाम गिर गए। इस दौरान वहां पर आए लोगों के बीच अफरा-तफरी का माहौल हो गया। बताया जा रहा है कि तीनों पुतले क्षतिग्रस्त हो गए।

अब आयोजनों की ओर से वैकल्पिक व्यवस्था करने की बात की जा रही है। उधम सिंह नगर जिला मुख्यालय रुद्रपुर में भी हर साल रावण, कुंभकरण और मेघनाद का पुतला दहन किया जाता है, लेकिन इस बार पुतला दहन कार्यक्रम में मौसम ने खलल डाल दी। अचानक आई तेज हवा और बारिश के कारण रुद्रपुर के गांधी पार्क में खड़े किए रावण, कुंभकरण और मेघनाद के पुतले धराशायी हो गए। पुतलों के नीचे गिरने से क्षतिग्रस्त भी हो गए। गमीनत रही कि इन पुतलों की चपेट में नहीं आया। जिससे बड़ा हादसा टल गया। हालांकि आयोजक समिति फिर से इंतजाम में लगी हुई है।

रावण, कुंभकरण और मेघनाद के पुतले बनाने में कारीगरों को एक माह का समय लग जाता है। जबकि 10 से 20 लोग दिनरात काम कर पुतले तैयार करते हैं। साथ ही पुतले बनाने में लाखों रुपए खर्च और मेहनत लगती है। इस बार रुद्रपुर में 65 फीट का रावण और 60-60 फीट के मेघनाद और कुंभकरण पुतले का निर्माण किया गया था। लेकिन मौसम ने इस बार तीनों को धराशायी कर दिया है।

देहरादून में भारी बारिश से पुतला दहन कार्यक्रम पर असर पड़ जाता है। हालांकि इस बार देहरादून के परेड ग्राउंड में तैयार किया गया रावण 121 फीट का बनाया गया है जो कि कपड़ा और टेरीकोट से तैयार किया गया है। कारीगरों का दावा है कि बारिश से रावण का पुतला गिला नहीं होगा और आसानी से धू धू कर जलेगी। इसके अलावा हिंदू नेशनल कॉलेज में तैयार किया रावण को रेनकोट पहनाया गया है।

क्या है सीर क्रीक? जिसे लेकर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को दे डाली अंतिम चेतावनी

(जीएनएस)।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान द्वारा सीर क्रीक क्षेत्र के पास हाल ही में की गई सैन्य तैनाती पर कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी तरह की सैन्य साजिश या अनुचित कदम का जवाब भारत इतनी ताकत के साथ देगा कि यह इतिहास और भूगोल दोनों बदल देगा।

सिंह ने यह बयान 'शस्त्र पूजन' के अवसर पर एक सार्वजनिक कार्यक्रम में दिया। उन्होंने पाकिस्तान पर आरोप लगाया कि वह जानबूझकर सीर क्रीक के लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद को भड़काने का प्रयास कर रहा है।

पाकिस्तान की मंशा पर उठाए सवाल

राजनाथ सिंह ने कहा, "स्वतंत्रता के 78 वर्षों के बावजूद, सीर क्रीक क्षेत्र में सीमा विवाद को भड़काया जा रहा है। भारत ने इस मुद्दे को संवाद के माध्यम से हल करने की कई कोशिशें की हैं, लेकिन पाकिस्तान की मंशा में खामी है; उसकी वास्तविक नीयत अस्पष्ट है। हाल ही में पाकिस्तान ने सीर क्रीक के आसपास सैन्य आधार और इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार किया है, जो उसकी मंशा को स्पष्ट रूप से दिखाता है।"

क्या है सीर क्रीक? रणनीतिक तौर पर क्यों है इतना महत्वपूर्ण

सीर क्रीक क्षेत्र, गुजरात की तटरेखा के पास रणन ऑफ कच्छ में 96 किलोमीटर लंबी दलदली पट्टी, लंबे समय से भारत-पाकिस्तान के बीच विवादित रहा है। यह क्षेत्र रणनीतिक दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील माना जाता है। समुद्री मार्ग का नियंत्रणः सीर क्रीक से गुजरने वाले समुद्री रास्तों के माध्यम से अरब सागर और कराची की दिशा जुड़ी हुई है। इसलिए यह क्षेत्र समुद्री और व्यापारिक मार्गों के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है।

यह क्षेत्र भारत-पाकिस्तान के बीच सेंसेटिव और विवादित है। पाकिस्तान की किसी भी सैन्य गतिविधि का प्रभाव गुजरात की तटरेखा और समुद्री सीमाओं पर पड़ सकता है। सीर क्रीक क्षेत्र 1960 से विवादित रहा है। भारत और पाकिस्तान के बीच कभी भी इस क्षेत्र का नियंत्रण मुद्दा बन सकता है। यह विवाद अंतरराष्ट्रीय सीमाओं और जलस्रोतों के नियंत्रण से जुड़ा हुआ है। पाकिस्तान की हालिया सैन्य तैनाती और आधार निर्माण की गतिविधियों ने इसे फिर से रणनीतिक दृष्टि से संवेदनशील बना दिया है।

सीर क्रीक केवल एक दलदली क्षेत्र नहीं है, बल्कि भारत-पाकिस्तान के बीच रणनीतिक और संवेदनशील स्थल है। समुद्री और सीमा सुरक्षा, सैन्य नियंत्रण और अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों के कारण इसे अत्यंत महत्व दिया जाता है।

सिंह ने कहा पैरामिलिट्री की ताकत की तारिफ करते हुए कहा कि भारतीय सेना और सीमा सुरक्षा बल (इरत्र) संयुक्त रूप से भारत की सीमाओं की सतर्कता से रक्षा कर रहे हैं। यदि पाकिस्तान की तरफ से किसी भी तरह की गलत हरकत की गई, तो उसे निर्णायक जवाब मिलेगा, जो इतिहास और भूगोल दोनों को बदल देगा। उन्होंने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा, "पाकिस्तान को याद रखना चाहिए - कराची का एक मार्ग सीर क्रीक से होकर जाता है।"

1965 युद्ध का उदाहरण

राजनाथ सिंह ने 1965 के भारत-पाक युद्ध का उदाहरण भी दिया। उन्होंने याद दिलाया कि उस युद्ध में भारतीय सेना लाहौर तक पहुंचने में सक्षम थी। उन्होंने इशारों में पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद को चेतावनी दी 1965 के युद्ध में भारतीय सेना ने लाहौर तक पहुँचने की क्षमता दिखाई थी। आज, 2025 में, पाकिस्तान को याद रखना चाहिए कि कराची का एक मार्ग सीर क्रीक से होकर जाता है।

ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र

गुजरात के भुज में सैनिकों को संबोधित करते हुए रक्षामंत्री ने कहा कि भारत की सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी। उन्होंने पाकिस्तान द्वारा किए गए ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र किया।

सिंह ने कहा, "ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने लेह से लेकर सीर क्रीक तक हमारी रक्षा प्रणाली में

संभल हिंसा स्थल पर खड़ी हुई 'सुरक्षा की नई दीवार', मासूम आयशा ने काटा पुलिस चौकी का रिबन; नारी शक्ति का अनोखा संदेश

संभल हिंसा स्थल पर नई पुलिस चौकी का उद्घाटन मासूम आयशा ने किया। नारी शक्ति और सुरक्षा व्यवस्था का नया प्रतीक बनी चौकी। संभल में हिंसा स्थल पर बनी नई पुलिस चौकी

उत्तर प्रदेश के संभल जिले में हिंसा से प्रभावित स्थल पर अब सुरक्षा की नई पहचान खड़ी हो चुकी है। प्रशासन ने जिले में शांति व्यवस्था को मजबूत करने और लोगों में सुरक्षा का भरोसा कायम करने के लिए यहां नई पुलिस चौकी का निर्माण कराया है। इस चौकी का उद्घाटन किसी बड़े नेता या प्रशासनिक अधिकारी ने नहीं बल्कि मासूम बच्ची आयशा ने किया। इस कदम ने समाज में नारी शक्ति के सशक्तिकरण और बेटियों के सम्मान का अनोखा संदेश दिया।

हिंसा की याद और नई शुरूआत

24 नवंबर को संभल में हुए उपद्रव की याद आज भी लोगों को सिहरन पैदा

करती है। हिंदू पूरा खेड़ा पक्का बाग चौराहे पर उस दिन उपद्रवियों ने न केवल गोलियां चलाईं बल्कि इलाके को हिंसा की आग में झोंक दिया था। लेकिन वही स्थान अब सुरक्षा का किला बन चुका है। जिस जगह कभी गोलियों की आवाज गूंजी थी, वहां अब पुलिस चौकी की घंटियां गूंज रही हैं। इस चौकी का उद्घाटन बच्ची आयशा द्वारा किया जाना प्रतीकात्मक रूप से समाज में नई शुरूआत और शांति की ओर बढ़ते कदम का प्रतीक है।

प्रशासन की पहल और 39 नई चौकियां

संभल प्रशासन ने हिंसा के बाद सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए बड़ी योजना बनाई। इसी क्रम में जिले भर में 39 नई पुलिस चौकियां बनाने का निर्णय लिया गया। नखासा थाना क्षेत्र के हिंदू पूरा खेड़ा पक्का बाग चौराहे पर बनी यह चौकी उसी योजना का हिस्सा है। प्रशासन का कहना है कि इन चौकियों से न केवल अपराध पर लगाम लगेगी बल्कि नागरिकों को सुरक्षा का अहसास भी होगा।

उद्घाटन समारोह और नारी शक्ति का संदेश

चौकी उद्घाटन के मौके पर जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पेंसिया और पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। लेकिन इस कार्यक्रम की खास बात यह रही कि रिबन काटने के लिए एक मासूम बच्ची आयशा को आगे किया गया। जब आयशा ने रिबन काटा तो पूरा माहौल तालियों की गड़गड़ाहट और 'नारी शक्ति ज़िंदाबाद' के नारों से गूंज उठा।

गजब! रावण के पुतले ने मचाई दहशत, बीच रास्ते धधक उठा पुतला

जयपुर शाहपुरा में दशहरे के दौरान रावण का पुतला बीच रास्ते अचानक धधक उठा, जिससे भगदड़ मच गई। दमकल ने समय रहते आग बुझाई। जयपुर शाहपुरा में दशहरे के उत्सव में बड़ा हादसा टला

जयपुर जिले के शाहपुरा इलाके में दशहरा उत्सव के दौरान उस समय अफरा-तफरी मच गई जब रावण का विशाल पुतला बीच रास्ते में ही अचानक आग की लपटों से घिर गया। पुतले को दशहरा मैदान तक ले जाया जा रहा था, तभी यह हादसा हुआ। अचानक लगी आग से पूरा इलाका धुएं से भर गया और मौके पर भगदड़ की स्थिति बन गई। लोग घबराकर चारों ओर भागने लगे। हालांकि दमकल की तत्परता और स्थानीय लोगों की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया।

पुतले को ले जाते समय अचानक आग की घटना

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रावण का पुतला जुगाड़ गाड़ी पर रखकर खातेड़ी से शाहपुरा शहर के दशहरा मैदान ले जाया जा रहा था। इसी दौरान बीच रास्ते पुतले में आग लग गई। आग इतनी तेजी से भड़की कि कुछ ही मिनटों में पुतले का बड़ा हिस्सा धधक उठा। चालक ने समझदारी दिखाते हुए तुरंत वाहन से छलांग लगाकर अपनी जान बचाई। आसपास मौजूद लोग घबराकर इधर-उधर भागने लगे और अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया।

दमकल ने समय रहते पाया आग पर काबू

मौके पर पहुंची दमकल टीम ने

त्वरित कार्रवाई करते हुए आग पर काबू पा लिया। माना जा रहा है कि यदि आग को समय रहते नहीं बुझाया जाता तो यह हादसा बेहद गंभीर हो सकता था। दशहरा मैदान में हर साल हजारों लोग एकत्र होकर रावण दहन का नजारा देखने पहुंचते हैं। ऐसे में अगर यह आग मैदान तक पहुंच जाती तो जनहानि और बड़े हादसे की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता था।

आयोजकों ने किया दूसरा पुतले का इंतजाम

इस घटना के बाद दशहरा उत्सव में भारी निराशा फैल गई। रावण का पुतला समय से पहले ही जल चुका था। हालांकि आयोजकों ने तुरंत दूसरा पुतला मंगवाकर परंपरा के अनुसार रावण दहन संपन्न कराया। इससे लोगों को राहत मिली कि परंपरा खंडित नहीं हुई। इसके बावजूद लोगों में डर और अफरा-तफरी का माहौल लंबे समय तक बना रहा।

घटना की जांच शुरू

फिलहाल इस घटना की जांच की जा रही है। प्रारंभिक अनुमान है कि पुतले में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट या फिर किसी प्रकार की लापरवाही हो सकती है। प्रशासन ने लोगों से संयम बनाए रखने की अपील की है।

दशहरा पर्व पर देशभर में रावण दहन

गौरतलब है कि देशभर में विजयदशमी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। जगह-जगह रावण के पुतले जलाकर असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया जा रहा है। इस बीच जयपुर शाहपुरा की यह घटना चर्चा का विषय बनी हुई है। यह हादसा इस बात की ओर भी संकेत करता है कि ऐसे आयोजनों में सुरक्षा इंतजाम और अधिक सख्त किए जाने चाहिए ताकि किसी प्रकार की जान-माल की हानि न हो।

लोगों की प्रतिक्रिया

घटना के बाद स्थानीय लोगों ने कहा कि यदि आग मैदान तक पहुंच जाती तो हालात बेहद खतरनाक हो सकते थे। कई लोगों ने सोशल मीडिया पर वीडियो साझा करते हुए हादसे पर चिंता जताई। प्रशासन और आयोजकों से अपील की गई है कि भविष्य में ऐसे आयोजनों में पूरी सावधानी बरती जाए और सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाए।

जयपुर शाहपुरा की यह घटना दशहरा उत्सव में सुरक्षा व्यवस्थाओं की पोल खोलती है। हालांकि इस बार बड़ा हादसा टल गया, लेकिन इस घटना से सबक लेते हुए भविष्य में आयोजकों और प्रशासन को अधिक सतर्कता बरतनी होगी। रावण दहन जैसे बड़े आयोजनों में सुरक्षा इंतजाम और तकनीकी खामियों पर विशेष ध्यान देना समय की मांग है।

हमास ने 2 शर्तों पर अटकाई इजराइल से सीजफायर की डील, 72 घंटे में होगा जंग का फैसला

(जीएनएस)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हाल ही में गाजा में शांति और युद्धविराम की शर्तों पर सहमति जताई थी। इस दौरान ट्रंप ने 20 सूत्री शांति प्रस्ताव पेश किया, जिसे इजरायल ने तुरंत स्वीकार कर लिया। हालांकि, हमास की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। संगठन को जवाब देने के लिए 72 घंटे का समय दिया गया था।

हमास की आपत्ति और संशोधन की मांग

फिलिस्तीनी सूत्रों के अनुसार, हमास ने ट्रंप के इस 20 सूत्री प्लान की दो शर्तों पर कड़ी आपत्ति जताई है। एएफपी की रिपोर्ट के मुताबिक, हमास हथियार सरेंडर करने वाली शर्त में बदलाव चाहता है। सूत्रों का कहना है कि गाजा से लड़ाकों को हटाने और हथियार छोड़ने जैसी शर्तों पर हमास सहमत नहीं है।

दोहा में हुई चर्चा और असहमति

नाम न बताने की शर्त पर एक फिलिस्तीनी सूत्र ने बताया कि मंगलवार को दोहा में तुर्किए, मिस्र और कतर के अधिकारियों के साथ बैठक में हमास ने इन शर्तों पर असहमति जताई। वार्ताकारों ने साफ किया कि निरस्त्रीकरण और गाजा से लड़ाकों की वापसी जैसे प्रावधानों में संशोधन जरूरी हैं।

हमास में आंतरिक मतभेद

एएफपी को जानकारी देने वाले एक अन्य सूत्र ने बताया कि ट्रंप की योजना को लेकर हमास के भीतर मतभेद हैं। संगठन का एक गुट बिना शर्त इस प्रस्ताव का समर्थन कर रहा है क्योंकि उनका मानना है कि ट्रंप की योजना से गाजा में युद्धविराम सुनिश्चित होगा। वहीं, दूसरा गुट निरस्त्रीकरण और गाजा छोड़ने जैसी शर्तों का विरोध कर रहा है।

अंतरराष्ट्रीय गारंटी की मांग

हमास के नेताओं ने गाजा पट्टी से इजरायल की पूर्ण वापसी के लिए अंतरराष्ट्रीय गारंटी की भी मांग की है। उनका कहना है कि वैश्विक समुदाय यह सुनिश्चित करे कि भविष्य में गाजा के भीतर या बाहर फिलिस्तीनी नागरिकों पर हमला न हो और उनकी हत्या न की जाए।

पिछले हमले से बढ़ा तनाव

सूत्रों के अनुसार, पिछले महीने दोहा में युद्धविराम प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान इजरायल ने हमला किया था। इस हमले में छह लोग मारे गए थे। इसके बाद से हमास क्षेत्रीय और अरब सहयोगियों के साथ लगातार संपर्क में है ताकि भविष्य की रणनीति तय की जा सके।

जवाब देने में लग सकता है और समय

फिलिस्तीनी सूत्रों का कहना है कि हमास के पास ट्रंप के 20 सूत्री प्रस्ताव पर जवाब देने के लिए अब कम समय बचा है। हालांकि, समूह को अंतिम निर्णय तक पहुंचने और जवाब देने में दो से तीन दिन और लग सकते हैं।